PCSMANTRA.COM

मालाबार ट्री टोड: कर्नाटक का नया उभयचर प्रतीक

समाचार-संदर्भ: रिपोर्टों के अनुसार 27 अक्टूबर 2026 का आदेश; खबर 3 नवंबर | **प्रकाशन:** 6 नवंबर 2026
प्रिलिम्स: पश्चिमी घाट, स्थानिक प्रजाति और उभयचर संरक्षण



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

रिपोर्टों के अनुसार, कर्नाटक के वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण विभाग ने **27 अक्टूबर 2026** को मालाबार ट्री टोड (*Pedostibes tuberculosus*) को राज्य उभयचर घोषित करने का आदेश हस्ताक्षरित किया। 3 नवंबर की रिपोर्ट में विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने आदेश हस्ताक्षरित होने की पुष्टि की। उसी रिपोर्ट के अनुसार, राजपत्र अधिसूचना तब प्रतीक्षित थी और कर्नाटक इस तरह आधिकारिक राज्य उभयचर घोषित करने वाला पहला राज्य बताया गया।

स्रोत की सीमा: राज्य के मूल आदेश और राजपत्र का पाठ इस लेख की समीक्षा में उपलब्ध नहीं हुआ है। इसलिए घोषणा का विवरण रिपोर्ट-आधारित है। प्रजाति के वितरण और संरक्षण का वैज्ञानिक विवरण अलग शोध-स्रोतों से जाँचा गया है।

मालाबार ट्री टोड की पहचान

वैज्ञानिक नाम: *Pedostibes tuberculosus*। यह टोड परिवार **Bufonidae** का उभयचर है। इसे कन्नड़ में मलेनाडिना मरा गंटिकप्पे और लोकप्रिय रूप में 'पेटू' कहा जाता है। वैज्ञानिक समुदाय की प्रजाति-सूची में इसका IUCN दर्जा **Endangered (संकटग्रस्त)** बताया गया है।

उभयचर: ऐसे कशेरुकी समूह में आते हैं जिनके जीवन का संबंध सामान्यतः नम स्थलीय और जलीय परिस्थितियों से होता है। **वृक्षवासी (arboreal):** पेड़-पौधों पर रहने की आदत है। टोड की यह वृक्षवासी प्रकृति इसे वन-छत्र, नमी और प्रजनन-स्थल की संयुक्त सुरक्षा से जोड़ती है।

कहाँ मिलता है

यह भारत के **पश्चिमी घाट की स्थानिक प्रजाति** है। **स्थानिक (endemic)** का अर्थ किसी निश्चित प्राकृतिक क्षेत्र तक सीमित वितरण है, किसी एक राज्य में ही मिलना नहीं। पश्चिमी घाट कई राज्यों में फैले हैं; इसलिए कर्नाटक का राज्य-प्रतीक बनने से इसे केवल कर्नाटक में पाया जाने वाला जीव नहीं कहा जा सकता।

2024 के वैज्ञानिक अध्ययन ने इसे कम दिखाई देने वाला, वृक्षवासी और स्थानिक उभयचर बताया। इसके वितरण पर वार्षिक वर्षा महत्वपूर्ण प्रभाव डालती पाई गई। वनस्पति, जलधाराएँ, नमी और अलग-अलग आवासों के बीच संपर्क इसके संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

राज्य-प्रतीक और कानूनी सुरक्षा में अंतर

राज्य-प्रतीक: किसी प्रजाति की पहचान और जन-जागरूकता बढ़ाने का माध्यम है। **कानूनी संरक्षण:** संबंधित कानून, अनुसूची और अधिसूचना से तय होता है। प्रतीक घोषित होने से अपने आप नया दंड या संरक्षित क्षेत्र नहीं बनता।

समाचार-रिपोर्ट में वृक्ष पर चढ़ने की विशेष क्षमता तथा वन-स्वास्थ्य के संकेतक के रूप में इसकी भूमिका बताई गई है। लेकिन 'दुनिया का एकमात्र पेड़ पर चढ़ने वाला टोड' जैसे अत्यधिक व्यापक दावे को यहाँ वैज्ञानिक निष्कर्ष नहीं बनाया गया है। इसी तरह मूल कानूनी सूची देखे बिना अनुसूची-संबंधी समाचार-वर्णन को अंतिम कानूनी वर्गीकरण नहीं माना गया है।

जलवायु-अध्ययन क्या कहता है

2024 का अध्ययन: नागरिक-विज्ञान के 'Mapping Malabar Tree Toad' कार्यक्रम के डेटा से वर्तमान वितरण और **2061-2080** के संभावित अनुकूल आवास का मॉडल बनाया गया। अलग उत्सर्जन-परिदृश्यों और मॉडल पद्धतियों के नतीजे अलग थे। उच्च उत्सर्जन वाले परिदृश्यों में संरक्षित क्षेत्रों के भीतर अनुमानित अनुकूल वितरण में **33.5% से 68.7%** तक कमी दिखाई गई; निम्न उत्सर्जन वाले परिदृश्यों में कुछ बढ़ोतरी भी दिखाई गई।

जरूरी अंतर: यह भविष्य की मॉडल-आधारित आवास/वितरण उपयुक्तता का अनुमान है, वर्तमान जनसंख्या में 68.7% की मापी गई गिरावट नहीं। इसे तय भविष्य या एक ही सार्वभौमिक प्रतिशत की तरह नहीं पढ़ना चाहिए। अध्ययन ने संरक्षित क्षेत्रों के भीतर और बाहर बेहतर सर्वेक्षण की जरूरत बताई।

नागरिक-विज्ञान की भूमिका

नागरिक-विज्ञान: आम लोग व्यवस्थित अवलोकन और डेटा-संग्रह से वैज्ञानिक अध्ययन में भाग लेते हैं। कम दिखाई देने वाली प्रजातियों के वितरण को समझने में इससे मदद मिल सकती है। लेकिन रिकॉर्ड की पहचान, स्थान और गुणवत्ता की जाँच जरूरी रहती है। केवल ज्यादा तस्वीरें मिलना अपने आप जनसंख्या बढ़ने का प्रमाण नहीं है।

यह भी पढ़ें: उभयचर विविधता और प्रजाति-पहचान समझने के लिए खासी पहाड़ियों की नई टोड प्रजाति पढ़ें।

संरक्षण में क्या जरूरी है

- **पूरा आवास:** सिर्फ जीव नहीं, पेड़ों, नम सूक्ष्म-आवासों और प्रजनन से जुड़ी जलधाराओं की रक्षा हो।
- **आवास संपर्क:** खंडित वनों के बीच संपर्क और संरक्षित क्षेत्रों के बाहर की उपयुक्त जगहों पर ध्यान दिया जाए।
- **निरंतर निगरानी:** मौसम, वर्षा, वितरण और प्रजनन के दीर्घकालीन रिकॉर्ड बनाए जाएँ।
- **जागरूकता:** राज्य-प्रतीक की पहचान को आवास-आधारित संरक्षण और स्थानीय भागीदारी से जोड़ा जाए।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. मालाबार ट्री टोड के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: यह पश्चिमी घाट की स्थानिक प्रजाति है।

कथन 2: राज्य-प्रतीक घोषित होने का अर्थ है कि प्रजाति केवल उसी राज्य में पाई जाती है।

कथन 3: इसके संरक्षण में वन-आवास और नम परिस्थितियों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (c) पश्चिमी घाट स्थानिकता का प्राकृतिक क्षेत्र है; राज्य-प्रतीक का सम्मान वितरण को राज्य की सीमा तक सीमित नहीं करता। वन और नमी की रक्षा महत्वपूर्ण है।

प्रश्न 2. जलवायु-मॉडल से निकले भविष्य के अनुकूल आवास के अनुमान के बारे में कौन-सा कथन सही है?

(a) यह वर्तमान जीव-संख्या की प्रत्यक्ष गणना के समान है

(b) यह सभी उत्सर्जन-परिदृश्यों में निश्चित और समान परिणाम देता है

(c) इसे मॉडल की मान्यताओं और परिदृश्यों के साथ पढ़ना चाहिए

(d) यह क्षेत्रीय सर्वेक्षण की जरूरत समाप्त कर देता है

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (c) आवास-उपयुक्तता के मॉडल भविष्य के संभावित वितरण का अनुमान देते हैं। वे वर्तमान जनसंख्या की गिनती नहीं हैं और सर्वेक्षण के पूरक हैं।

स्रोत

- 3 नवंबर की रिपोर्ट: कर्नाटक का राज्य उभयचर और आदेश की स्थिति
- भारतीय उभयचर प्रजाति-संग्रह: पहचान और संरक्षण दर्जा
- Scientific Reports, 2024: वितरण और भावी आवास-उपयुक्तता का मूल अध्ययन

PCS MANTRA